हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला–05
पाठ्यक्रम
बी०ए०–संस्कृत (मुख्य कोर पाठ्यक्रम)

(BA. SKT. 701)

प्रथम सत्र

प्रथम पत्र हितोपदेश एंव व्याकरण –1 **पूर्णांक–50**

खण्ड–1 हितोपदेश (मित्रलाभ) (25)

हितोपदेश का सामान्य परिचय एंव मित्रलाभ की विस्तृत व्याख्या।

खण्ड–2 व्याकरण (25)

क) शब्दरूप (5)

राम, भानु, पितृ, लता, नदी, वधू, फल, मधु, आत्मन्, वाक्, अस्मद्, युस्मद्, तद्(तीनों लिंगों में)। (5)

ख) धातुरूप

पठ्, भू, अस्, हन्, दृश्, दिव्, प्रच्छ्, चुर् सेव्, पा धातुएं लट्, लङ्, लोट् तथा विधिलिंग लकारों में।

ग) प्रत्याहार सूत्र एंव उच्चारण स्थान (5)

घ) स्वर सन्धि (5)

दीर्घ, वृद्धि, यण्, गुण, अयादि (सूत्र स्मरण आवश्य है।)

ड) अनुवाद – पाँच वाक्यों का अनुवाद (5)

अनुवाद में पाठ्यक्रम से दो सूक्ति प्रयोग अनिवार्य होगें।

अनुशंसित ग्रन्थः–

1. संस्कृत व्याकरण –श्रीधर वासिष्ठ
2. लघु सिद्धान्तकौमुदी– शारदारंजन रे, 1954

3. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी–1 महादेव दामोदर साठे, प्रकाशन सखाराम आप्टे, संस्कृत पाठशाला पुणे।
4. हितोपदेश (मित्रलाभ)– नारायण पण्डित, चौखम्बा संस्कृत सीरिज, वाराणसी, दिल्ली अथवा डॉ० भूषण लाला शर्मा नीलम पब्लिशर्ज

धर्मशास्त्र तथा भारतीय संस्कृति

द्वितीय पत्र (BA. SKT. 702) **पूर्णांकः 50**

1. याज्ञवल्क्य स्मृति (आचाराध्याय) (25)

   (इसमें व्याख्या एंव विषयपरक प्रश्न पूछे जाएगें)

2. प्राचीन भारतीय संस्कृति (25)

   क) पुरूषार्थ– चतुष्ट्य

   ख) ईश्वर जीव प्रकति

   ग) शिक्षा प्रणाली

   घ) वर्णाश्रम व्याख्या

अनुशंसित ग्रन्थः–

1. भारतीय संस्कृति के मूल तत्व –डॉ० इन्दुमती मिश्रा, भारतीय प्रकाशन चौक कानपुर।
2. एलिमैंन्ट्स ऑफ हिन्दू कल्चर एंड संस्कृत सिविलाइजेशन– पी० के० आचार्य
3. भारतीय संस्कृति –डॉ० शिवदत्त ज्ञानी
4. आर्य संस्कृति के मूलाधार– डॉ० बलदेव उपाध्याय

द्वितीय सत्र

तृतीय पत्र :– स्वप्नवासवदत्तम् एवं व्याकरण–2 **पूर्णांकः50**

(BA. SKT. 703)

1. स्वप्नवासवदत्तम् (भास) सम्पूर्ण (25)

2. व्याकरण (25)

क) शब्दरूप (5)

कवि, मातृ, मति, धेनु, वारि, महत्, दण्डिन्, सरित्, सर्व, एतत्, यत्, जगत्, राजन्।

ख) धातुरूप (5)

पच्, कृ, अद्, तनु, हु, क्री, गम्, धाव्, लिख्, क्रीड्, पत्।

(लट्, लङ्, लृट्, लोट् तथा विधिलिंग लकारों में)

ग) संज्ञा प्रकरण (5)

(इत्, लोप, अनुनासिक, सवर्ण, संहिता, संयोग एवं पद संज्ञा)

सूत्र स्मरण आवश्यक है।

घ) कारक प्रकरण (सम्पूर्ण) (5)

लघुसिद्धान्त कौमुदी के आधार पर

ङ) अनुवाद प्रकरण (5)

पांच वाक्यों का अनुच्छेद (वर्तमान काल में) पूछा जाएगा।

(अनुवाद में पाठ्य पुस्तक से दो सूक्ति प्रयोग अनिवार्य है)

अनुशंसित ग्रन्थ

1. बृहद्रचनानुवादकौमुदी– कपिलदेव द्विवेदी
2. बृहद् अनुवाद चन्द्रिका– चक्रधर हंस नौटियाल, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
3. स्वप्नवासवदत्तम् भास, डॉ० डी० के० गुप्त, मेहरचन्द लच्छमणदास, प्रकाशन दिल्ली अथवा एम० आर० काले, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली।

संस्कृत में वैज्ञानिक साहित्य

चतुर्थ पत्र (BA. SKT. 704) **पूर्णांकः50**

(क) गणित –ज्योतिष (10)

(ख) आयुर्वेद (15)

(ग) वास्तुकला (15)

(घ) शुल्वसूत्र (10)

अनुशंसित ग्रन्थ

1. संस्कृत में विज्ञान, डॉ० विद्याधर शर्मा गुलेरी, संस्कृत भारती देहली, 2000.

तृतीय सत्र

पंचम पत्रः– रघुवंश तथा वाच्य, छन्द प्रकरण **पूर्णांकः 50**

(BA. SKT. 705)

क) रघुवंश (प्रथम सर्ग) (25)

कालिदास एंव रघुवंश का सामान्य परिचय

ख) वाच्य परिवर्तन (10)

(कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य एंव भाववाच्य)

ग) छन्द प्रकरण (वृत्तरत्नाकर) (10)

अनुष्टुप, आर्या, उपजाति, मालिनी, शिखरिणी, मन्दाक्रान्ता शार्दूलविक्रीडित, वंशस्थ, पंचचामर, वसन्ततिलका।

नोटः– छन्दों के लक्षण, उदाहरण एंव संगति अपेक्षित है।

घ) अनुवाद– (हिन्दी से संस्कृत में) (5)

– भूतकाल के पांच वाक्यों का अनुच्छेद पूछा जाएगा।

– रघुवंश के प्रथम सर्ग से दो सूक्ति प्रयोग अनिवार्य होगें।

अनुंशसित ग्रन्थ

1. रघुवंशम्– कालिदास – चौखम्बा संस्कृत सीरिज वाराणसी/ दिल्ली।
2. अनुवाद चन्द्रिका– चक्रधर हंस–मोतीलाल बनारसीदास, जवाहर नगर दिल्ली।
3. वृत्तरत्नाकर–

पौराणिक साहित्य

षष्ठ पत्र (BA. SKT. 706) **पूर्णांकः–50**

1. ब्रह्मपुराण 2. श्रीमद्भागवत पुराण 3. विष्णुपुराण 4. अग्निपुराण 5. भविष्य पुराण का सामान्य परिचय।

अनुशंसित ग्रन्थ

1. पुराण विमर्श, आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी।

चतुर्थ सत्र

गीता शुकनासोपदेश तथा समास

सप्तम पत्र :– (BA. SKT. 707) **पूर्णांकः–50**

क) श्रीमद्भगवद्गीता (17वां अध्याय) (10)

गीता के 17वें अध्याय से संबधित व्याख्यात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे।

ख) शुकनासोपदेश– (20)

(शुकनासोपदेश से सरलार्थ एंव प्रश्न)

ग) समास प्रकरण (10)

अव्ययी भाव, द्वन्द्व एवं बहुव्रीहि समास लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार। सूत्र स्मरण आवश्यक है।

घ) लिंगानुशासनम् (5)

ङ) अनुवाद (5)

– भविष्यत काल के पांच वाक्यों का अनुच्छेद।

अनुशंसित ग्रन्थ

1. श्रीमद्भगवत् गीता–गीता प्रैस गोरखपुर।
2. शुकनासोपदेश, बाणभटट्–चौखम्बा संस्कृत सीरिज–वाराणसी/दिल्ली
3. लघु सिद्धान्त कौमुदी– वरदराज

उपनिषद् बोध

अष्टम पत्र (BA. SKT. 708) **पूर्णांकः–50**

क) ईशावास्योपनिषद् (25)

ख) केनोपनिषद् (25)

अनुशंसित ग्रन्थः–

1. ईशोपनिषद् : शांकरभाष्योपेता, गीता प्रैस गोरखपुर।
2. केनोपनिषद् :–शांकरभाष्योपेता, गीता प्रैस गोरखपुर।

नवम् पत्र :– व्याकरण बोध **पूर्णांकः–50**

क) त्रिमुनि (पाणिनि, कात्यायन, पतंजलि) कवियों का परिचय– (10)

ख) सुबन्त (अजन्त) प्रकरण (20)

ग) तिङन्त प्रकरण (20)

भू, अद्, हु, दिव्, तन्, तुद्, सु, रूध्, क्री, चुर् (प्रत्येक गण की प्रथम धातु की रूप सिद्धि।

अनुशंसित ग्रन्थः–

1. लघुसिद्धान्त कौमुदी –वरदराज – शारदारंजन रे, 1950
2. संस्कृत व्याकरण– श्रीधर वासिष्ठ।

पंचम सत्र

दशम पत्रः– अभिज्ञानशाकुन्तलम तथा संस्कृत साहित्य का इतिहास **पूर्णांकः50**

क) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (सम्पूर्ण) (30)

समस्त नाटक का सरलार्थ तथा वर्ण्य विषय से सम्बन्धित प्रश्न

ख) संस्कृत साहित्य का इतिहास

1. वैदिक संहिताओं एंव रामायण तथा महाभारत का सामान्य परिचय (10)
2. भास, कालिदास , बाणभटट्, भारवि, माघ, भर्तृहरि, दण्डी एंव जयदेव।(10)

(उक्त कवियों की रचनाओं का समान्य परिचय)

अनुशांसित ग्रन्थः–

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम्– कालिदास, बाबूराम पाण्डे, साहित्य भण्डार मेरठ।
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास, बलदेव उपाध्याय।

बी० ए० संस्कृत (गौण (वैकल्पिक) पाठ्यक्रम)

Minor (Elective) Course

प्रथम सत्र

प्रथम पत्र :– संस्कृत भाषा नैपुण्य–1 **पूर्णांक : 50**

(BA. SKT. 801)

खण्ड – 1 हितोपदेश (मित्रलाभ) (25)

हितोपदेश का सामान्य परिचय एवं मित्रलाभ की विस्तृत व्याख्या

खण्ड – 2 व्याकरण (25)

(क) शब्द रुप

राम, भानु, पितृ, लता, नदी, वधू, फल, मधु, आत्मन्, वाक्, अस्मद्, युष्मद्, तद् (तीनों तीनो लिंङों में)। (5)

(ख) धातुरुप

पठ्, भू, अस्, हन्, दृश्, दिव्, प्रच्छ्, चुर, सेव्, (पा, लट्, लोट्, लृट्, लङ् तथा विधिलिङ लकारों में)। (5)

(ग) प्रत्याहार सूत्र एवं उच्चारण स्थान (5)

(घ) स्वर सन्धि

दीर्घ, वृद्धि, यण्, गुण, अयादि (सूत्र स्मरण आवश्यक है) (5)

(ड़) अनुवाद पाँच वाक्यों का अनुवाद (5)

(अनुवाद में पाठ्यक्रम से दो सूक्ति प्रयोग अनिवार्य होगें)

अनुशंसित ग्रन्थ : (मुख्य कोर पाठ्यक्रम के प्रथम पत्र के ही होगें)

संस्कृत भाषा नैपुण्य–2

द्वितीय पत्र (BA. SKT. 802) **पूर्णांक : 50**

1. स्वप्नवासवदत्तम् (भास) सम्पूर्ण (25)

2.. व्याकरण (25)

(क) शब्दरुप– कवि, मातृ, मति, धेनु, वारि, महत्, दण्डिन्, सरित, सर्व, एतत्, यत्, जगत्, राजन्। (5)

(ख) धातुरुप– पच्, कृ, अद्, तन्, हु, क्री, गम, धाव्, लिख, क्रीङ्, पत (लट्, लङ्, लोट, लृट् तथा विधिलिङि लकारों में) (5)

(ग) संज्ञा प्रकरण–(इत्, लोप, अनुनासिक, सवर्ण, संहिता, संयोग, पद संज्ञा) सूत्र स्मरण आवश्यक है (5)

(घ) कारक प्रकरण (सम्पूर्ण) लघुसिद्धान्तकौमुदी के आधार पर (5)

(ङ) अनुवाद प्रकरण पाँच वाक्यों का अनुच्छेद (वर्तमान काल) में पूछा जाएगा। पाठ्य पुस्तक से दो सूक्ति प्रयोग अनिवार्य है। (5)

अनुशंसित ग्रन्थ : (मुख्य कोर पाठ्यक्रम के तृतीय पत्र के ही होगें)

संस्कृत भाषा नैपुण्य–3

तृतीय पत्र (BA. SKT. 803) **पूर्णांक : 50**

(क) रघुवंश (प्रथम सर्ग) (25)

कालिदास एवं रघुवंश का सामान्य परिचय

(ख) वाच्य परिवर्तन (10)

कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य एवं भाववाच्य

(ग) छन्द प्रकरण – (वृत्तरत्नाकर) (10)

अनुष्टुप्, आर्या, उपजाति, मालिनी, शिखरणी, मन्दाक्रन्ता, शार्दूलविक्रीडित, वंशस्थ, पंचचामर, वसन्ततिलका।

लक्षण, उदाहरण, संगति अनिवार्य है।

(घ) अनुवाद– (5)

अनुवाद में भूतकाल के पाँच वाक्यों का अनुच्छेद पूछा जाएगा।

रघुवंश के प्रथम सर्ग से दो सूक्ति प्रयोग अनिवार्य होगें।

अनुशंसित ग्रन्थ : (मुख्य पाठ्यक्रम के पंचम पत्र के ही होगें)

संस्कृत भाषा नैपुण्य–4

चतुर्थ पत्र (BA. SKT. 804) **पूर्णांक : 50**

(क) श्रीमद्भगवद्गीता (17वां अध्याय) (10)

गीता के 17वें अध्याय से सम्बन्धित व्याख्यात्मक प्रश्न पूछें जाएगें।

(ख) शुकनासोपदेश (20)

(शुकनासोपदेश से सरलार्थ एवं प्रश्न) (10)

(ग) समास प्रकरण

अव्ययी भाव, द्वन्द्व, एवं बहुब्रीहि समास (लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार)

(घ) लिङानुशासनम् (5)

(ङ) अनुवाद (5)

भविष्यत् काल के पाँच वाक्यों का अनुच्छेद।

अनुशंसित ग्रन्थ : (मुख्य कोर पाठ्यक्रम के सप्तम् पत्र के ही होगें)

संस्कृत भाषा नैपुण्य–5

पंचम पत्र (BA. SKT. 805) **पूर्णांक : 50**

(क) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (सम्पूर्ण) (30)

समस्त नाटक का सरलार्थ तथा वर्ण्य–विषय से सम्बन्धित प्रश्न।

(ख) संस्कृत साहित्य का इतिहास (20)

1. वैदिक संहिताओं एवं रामायण तथा महाभारत का सामान्य परिचय।
2. भास, कालिदास, बाणभट्ट, भारवि, माघ, भर्तृहरि, दण्डी एवं जयदेव। उक्त कवियों की रचनाओं का सामान्य परिचय।

अनुशंसित ग्रन्थ :

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम – कालिदास, बाबूराम पाण्डे, साहित्य भण्डार, मेरठ।
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास – बलदेव उपाध्याय।

काव्यदीपिका, निबन्ध एवं प्रत्यय

षष्ठ पत्र (BA. SKT. 806) **पूर्णांक : 50**

(क) काव्यदीपिका (25)

1. प्रथम शिखा, द्वितीय शिखा (काव्य प्रयोजन, लक्षण, शब्दशक्तियाँ) (15)
2. अलंकार–अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रुपक, उत्प्रेक्षा, स्वभावोक्ति, व्यतिरेक, विभावना, विशेषोक्ति। (10)

(ख) निबन्ध (संस्कृत में) (10)

निबन्ध सामाजिक विषयों से सम्बन्धित पूछा जाएगा।

(ग) प्रत्यय – कृत्, तद्धित, स्त्री (लघुसिद्धान्तकौमुदी के आधार पर)

1. कृत् प्रत्यय – क्त्, क्तवतु, शतृ, शानच्, यत्, ण्यत्, क्त्वा, ल्यप्, तुमुन, तव्यत्, अनीयर। (5)
2. तद्धित प्रत्यय – मतुप्, इनि, ठक्, त्व, तल। (5)
3. स्त्री प्रत्यय – टाप, डाप, चाप, ङीप्, ङीष्, ङीन् (5)

अनुशंसित ग्रन्थ :– मुख्य कोर पाठ्यक्रम के त्रयोदश पत्र के ही होंगे।

संस्कृत भाषा नैपुण्य–7

सप्तम पत्र (BA. SKT. 807) नीतिशास्त्र पूर्णांक : 50

(क) नीतिशतक (25)

(ख) विदुरनीति (25)

अनुशंसित ग्रन्थ :

1. विदुर नीति ; (व्या) डॉ० गुंजेश्वर चौधरी चौखम्बा, सुरभारती प्रकाशन वाराणसी, 2003
2. भर्तृहरि शतक ; (रुपान्तर) विवेक मोहन, राजा पॉकेट बुक्स, बुराड़ी दिल्ली, 2001

संस्कृत भाषा नैपुण्य–8

अष्टम पत्र (BA. SKT. 808) साहित्य पूर्णांक : 50

(क) मेघदूतम् (25)

(मेघदूतम् के पद्यों की व्याख्या तथा विषय से सम्बन्धित प्रश्न)

(ख) शिवराज विजय (25)

(प्रथम निःश्वास)

अनुशंसित ग्रन्थ :

1. शिवराजविजय ; डॉ० रुपनारायण त्रिपाठी, हंसा प्रकाशन, जयपुर 2007.
2. मेघदूतम्।

संस्कृत भाषा नैपुण्य–9

नवम पत्र (BA. SKT. 809) **गद्य, एवं चम्पू काव्य** **पूर्णांक : 50**

(क) दशकुमारचरितम् (पूर्व पीठिका) (25)

(ख) भारत चम्पू (25)

अनुशंसित ग्रन्थ :

1. ऋक् सूक्त संग्रह ; (व्या) डॉ० हरिदत्त शास्त्री, साहित्य भण्डार सुभाष बाजार मेरठ।
2. वैदिक सूक्त मुक्तावली ; (सम्पादक) डॉ० लम्बोदर मिश्र, हंसा प्रकाशन जयपुर, 2005।

संस्कृत भाषा नैपुण्य–10

दशम पत्र (BA. SKT. 810) **वेद** **पूर्णांक : 50**

(क) ऋग्वेद (हिरण्यगर्भ तथा पुरूष सूक्त) (20)

(ख) यजुर्वेद (शिव संकल्प सूक्त) (15)

(ग) अथर्ववेद (भूमि सूक्त) (15)

अनुशंसित ग्रन्थ :

संस्कृत भाषा नैपुण्य–11

एकादश पत्र (BA. SKT. 811) **शिक्षा साहित्य** **पूर्णांक : 50**

(क) पाणिनीय शिक्षा (25)

(ख) नारदीय शिक्षा (25)

अनुशंसित ग्रन्थ :

1. पाणिनीय शिक्षा व्याख्याकार, डॉ० रमाशंकर मिश्र, चौखम्भा सुरभारतीय प्रकाशन, वाराणसी

2. पाणिनीय शिक्षा, व्याख्याकार : नारायण मिश्र चौखम्भा पब्लिशर्ज, गोपाल मन्दिर लेन, तृतीय संस्करण, 1998

3. नारदीय शिक्षा लेखक : नारद, व्याख्याकार : शिवराज आचार्य, सम्पादक : आमोदवर्धन, प्रकाशक : चौखम्भा विद्याभवन वाराणसी, संस्करण, 2005

संस्कृत भाषा नैपुण्य–12

द्वादश पत्र (BA. SKT. 812) **नाट्य शास्त्र** **पूर्णांक : 50**

(क) रस सिद्धान्त (भरतमुनि) (25)

(ख) ध्वनि सिद्धान्त (25)

अनुशंसित ग्रन्थ :

1. आचार्य मम्मट और काव्यप्रकाश, डॉ० राजकिशोर सिंह, सीतापुर रोड़, लखनऊ सं०–2027।

भाषा विज्ञान

त्रयोदश पत्र (BA. SKT. 812) **पूर्णांक–50**

1. संस्कृत का वर्ण समाम्नाय (प्रत्याहार सूत्र)
   - 1.1 स्वर, स्वरों का वर्गीकरण एकमात्रिक, द्विमात्रिक, त्रिमात्रिक।
   - 1.2 व्यंजन, व्यजनों का वर्गीकरण (स्पर्श, अन्तस्थ, उष्म)
2. उच्चारण स्थान तथा प्रयत्न
3. भाषा तथा वाक् की परिभाषा, भाषा तथा वाक् में अन्तर, वाक् के विभिन्न रूप, यथा– परा, पश्यन्ती, मध्यमा, बैखरी।
4. भाषा–विज्ञान के अंग यथा–वर्ण विज्ञान, पद विज्ञान, वाक्य विज्ञान, शब्द तथा अर्थ का सम्बन्ध।
   - 4.1 वाक्य की परिभाषा, अभिहितान्यवाद तथा अन्विताभिधानवाद का विस्तृत विवरण।

5. भाषा की विशेषताएं अथवा प्रवृत्तियां।

6. भाषा की उपयोगिता।

7. भाषा के विविध रूप जैसे– बोली, उपबोली, विभाषा, अपभाषा, व्यवसायिक भाषा, कूट–भाषा, कृत्रिम भाषा, मिश्रित भाषा, साहित्यक भाषा इत्यादि।

8. भाषा की परिवर्तनशीलता के प्रमुख कारण तथा दिशायें।

   8.1 बाह्य कारण, जैसे– भौगोलिक प्रभाव, ऐतिहासिक प्रभाव, सांस्कृतिक प्रभाव, साहित्यिक प्रभाव, वैयक्तिक प्रभाव, सामाजिक प्रभाव, वैज्ञानिक एवं तकनीकी प्रभाव इत्यादि।

   8.2 आभ्यन्तर कारण, जैसे– प्रयत्न लाघव, आगम, लोप, विकार, विपर्यय, समीकरण, विषमीकरण, स्वरभक्ति, भावातिरेक, बल, अपूर्ण अनुकरण, सादृश्य, इच्छित परिवर्तन।

9. कारक की परिभाषा, कारक तथा विभक्ति में अन्तर।

   9.1 कर्मकारक के भेद (उदहारण सहित)

   9.2 सम्प्रदान कारक के भेद (उदहारण सहित)

   9.3 अधिकरण कारक के भेद (उदहारण सहित)

10. भारत वर्ष में भाषा विज्ञान का इतिहास

    10.1 पाणिनि पूर्व काल, जैसे–शिक्षा ग्रंथ, प्रतिसांख्य, निरूक्त, व्याकरर्ण।

    10.2 पाणिनि तथा अष्टाध्याय का सामान्य परिचय।

    10.3 कात्यायन तथा वार्तिक का सामान्य परिचय।

    10.4 पतंजलि तथा महाभाष्य का संक्षिप्त परिचय।

अनुशंसित ग्रंथ

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी, श्री वरदराजकृत, व्याख्याकार एवं सम्पादक : श्री धरानन्द शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, वाराणसी पटना।

2. बृहद्अनुवादचन्द्रिका, चक्रधर 'हंस' नौटियाल, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।

3. बृहद्रचनानुवादकौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी।

4. कारक प्रकरणम्, श्रीमद्भट्टोजिदीक्षित विरचिता, हिन्दी व्याख्याकार, श्रीधरानन्द घिण्डियाल, मोतीलाल बनारसीदास।

संस्कृत साहित्य का इतिहास

पूर्णांक : 50

(क) महाकाव्यों का सामान्य परिचय (25)

अश्वघोष, कालिदास, भारवि, माघ, श्री हर्ष, कुमारदास इत्यादि

(ख) नाट्य साहित्य (25)

भास, अश्वघोष, भवभूति, शूद्रक, विशाखादत्त

(उक्त कवियों तथा नाट्ककारों से सम्बन्धित रचनाओं का वर्णन)

अनुशंसित ग्रन्थ :

1. संस्कृत सुकवि समीक्षा–बलदेव उपाध्याय चौखम्बा विद्याभवन।

भारतीय दर्शन

एकादश पत्र (BA. SKT. 711) **पूर्णांक : 50**

(क) तर्क संग्रह (25)

(ख) षड्दर्शनों का सामान्य परिचय (25)

अनुशंसित ग्रन्थ :

1. सर्वपल्ली राधा कृष्णन् – इण्डियन फिलॉसफी भाग 1–2
2. उमेश मिश्र – भारतीय दर्शन
3. बलेदव उपाध्याय – भारतीय दर्शन
4. दत्त तथा चटर्जी – भारतीय दर्शन की भूमिका

आधुनिक संस्कृत साहित्य

द्वादश पत्र (BA. SKT. 712) **पूर्णांक : 50**

(क) राष्ट्रपथ प्रदर्शनम् – दूर्गादत्त शास्त्री
(1–12 अध्याय)

अनुशंसित ग्रन्थ :

1. राष्ट्र पथ प्रदर्शनम्, दुर्गादत्त शास्त्री, नलेटी, देहरा गोपीपुर, कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।

त्रयोदश पत्र–काव्यदीपिका, निबन्ध एवं प्रत्यय

षष्ठ पत्र (BA. SKT. 713) **पूर्णांक : 50**

(क) काव्यदीपिका

1. प्रथम शिखा, द्वितीय शिखा (काव्य प्रयोजन, लक्षण, शब्दशक्तियाँ) (15)
2. अलंकार–अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रुपक, उत्प्रेक्षा, स्वभावोक्ति, व्यतिरेक, विभावना, विशेषोक्ति। (10)

(ख) निबन्ध (संस्कृत में) (10)

निबन्ध सामाजिक विषयों से सम्बन्धित पूछा जाएगा।

(ग) प्रत्यय – कृत्, तद्धित, स्त्री (लघुसिद्धान्तकौमुदी के आधार पर)

1. कृत् प्रत्यय – क्त्, क्तवतु, शतृ, शानच्, यत्, ण्यत्, क्त्वा, ल्यप्, तुमुन, तव्यत्, अनीयर। (5)
2. तद्धित प्रत्यय – मतुप्, इन, ठक्, त्व, तल। (5)
3. स्त्री प्रत्यय – टाप, डाप, चाप, ङीप्, ङीष्, ङीन्। (5)

अनुशंसित ग्रन्थ :

1. काव्यदीपिका – कान्तिचन्द्र भट्टाचार्य।
2. काव्यदीपिका – डॉ० ओम प्रकाश शर्मा, किरण बुक डिपो बिलासपुर हि० प्र०
3. संस्कृत व्याकरण – श्रीधर वासिष्ठ।
4. संस्कृत निबन्ध रत्नाकर – डॉ० शिवप्रसाद भारद्वाज, अशोक प्रकाशन, दिल्ली, 1977।

अर्थशास्त्र तथा धर्मशास्त्र

चतुर्दश पत्र (BA. SKT. 714) **पूर्णांक : 50**

(क) कौटिल्य अर्थशास्त्र (25)
विनयाधिकारिक : प्रथम अधिकरण

(ख) मनुस्मृति (द्वितीय अध्याय) (25)
(धर्म, संस्कार, ब्रह्मचारी धर्म)

अनुशंसित ग्रन्थ :

1. धर्मशास्त्र का इतिहास – पी० वी० काणे (अनुवादक अर्जुन चौबे कश्यप) 1975।
2. कौटिल्य अर्थशास्त्रम् ; वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी, 2006।
3. मुनस्मृति – टीकाकार, डॉ० रामचन्द्र वर्मा शास्त्री, प्रकाशक : विद्याविहार, नई दिल्ली, संस्करण 1997।
4. मनुस्मृति, श्री कुलूकभट्टप्रणीत मन्वर्थमुक्तावली टीका सहित, व्याख्याकार : पं० हरगोविन्द शास्त्री, सम्पादक : श्री पं० गोपाल शास्त्री नेने, प्रकाशक : चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी, 221001।

ERROR: syntaxerror
OFFENDING COMMAND: --nostringval--

STACK:

/Title
()
/Subject
(D:20130702112705+05’30’)
/ModDate
()
/Keywords
(PDFCreator Version 0.9.5)
/Creator
(D:20130702112705+05’30’)
/CreationDate
(SERVER)
/Author
-mark-